सांध्य दैनिक

4PM

अच्छे कर्म स्वयं को शक्ति देते हैं और दूसरों को अच्छे कर्म करने की प्रेरणा देते हैं।
-प्लेटो

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 277 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 15 नवम्बर, 2024

शमी ने ढाया मप्र पर कहर, बंगाल... 7 | महाराष्ट्र में तेजी पर प्रचार, शुरू... 3 | भाजपा की अहंकारी सरकार नहीं... 2

अपने ही आंकड़ों में फंसी एनडीए सरकार!

चीनी समानों पर प्रतिबंध के फैसले पर खुली पोल

- एक साल में बढ़ गया चीन से आयात, पर निर्यात घटा
- वाणिज्य मंत्रालय ने कहा- देश के आयात का प्रमुख स्रोत है चीन
- विपक्ष ने भी मोदी सरकार पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एनडीए की मोदी सरकार का चीन को चेतावनी देने जैसे बड़ी-बड़ी बातों की कलई खुद उनकी सरकार के आंकड़ों ने खोल दी है। दरअसल वाणिज्य मंत्रालय ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है कि भारत में होने वाले आयात के लिए चीन प्रमुख स्रोत है। इतना ही नहीं जो निर्यात भारत द्वारा अभी तक किया जाता रहा वह भी घट गया है। इन सब मामले पर सियासत भी गरमा गई है।

विपक्ष ने मोदी व बीजेपी सरकार को घेरते हुए कहा कि वह तो हमेशा से कहते रहे कि सरकार एक तरफ तो कहती है कि चीनी सामनो पर प्रतिबंध लगा रहे दूसरी तरफ वहीं से सामान भी मंगवा रही है। ये सरकारी आंकड़े ही सरकार की पोल खोल रहे है। ये आंकड़ें बता रहे हैं कि कैसे देश का रुपया विदेशों में जा रहा और विदेशी रुपया देश में घट रहा है।

आयात 9.8 प्रतिशत बढ़कर 65.89 अरब डॉलर पर पहुंचा

चीन से आयात चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अक्टूबर के दौरान सालाना आधार पर 9.8 प्रतिशत बढ़कर 65.89 अरब डॉलर रहा है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, हालांकि इस दौरान चीन को निर्यात 9.07 प्रतिशत घटकर आठ अरब डॉलर रहा। इस दौरान अमेरिका शीर्ष निर्यात गंतव्य रहा। अमेरिका को भारत का निर्यात आलोच्य अवधि में 6.01 प्रतिशत बढ़कर 47.24 अरब डॉलर रहा।

एलएसी पेट्रोलिंग के समझौते पर भी घिरी थी मोदी सरकार

अभी हाल में भारत और चीन के बीच हुई एलएसी पेट्रोलिंग को लेकर हुए समझौते पर कांग्रेस ने कई बार मोदी सरकार पर सवाल उठाया है। कांग्रेस की तरफ से भारत-चीन के इस समझौते पर बयान जारी किया गया है। जिसमें कहा गया कि मोदी सरकार की इस घोषणा को लेकर कई सवाल बने हुए हैं कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर पेट्रोलिंग की व्यवस्था को लेकर चीन के साथ समझौता हो गया है। बता दें , विदेश सचिव ने कहा था कि इस समझौते से सैनिकों की वापसी हो रही है और अंततः 2020 में इन क्षेत्रों में पैदा हुए गतिरोध का समाधान हो रहा है। कांग्रेस ने आगे कहा कि भारत का पक्ष 19 जून 2020 को तब सबसे ज्यादा कमजोर हुआ जब प्रधानमंत्री ने चीन को बेशर्मी से क्लीन चिट देते हुए कहा कि न कोई हमारी सीमा में घुस आया है, न ही कोई घुसा हुआ है। यह बयान गलवान में हुई झड़प के चार दिन बाद ही दिया गया था, जिसमें हमारे 20 बहादुर सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया था। उनका यह बयान न सिर्फ हमारे शहीद सैनिकों का घोर अपमान था बल्कि इस चीन की आक्रामकता को भी वैध ठहरा दिया। इसके कारण ही एलएसी पर गतिरोध के समय समाधान में बाधा उत्पन्न हुई।

भारत के आयात के हैं शीर्ष 10 स्रोत

आंकड़ो के अनुसार, इस अवधि के दौरान भारत के आयात के शीर्ष 10 स्रोत चीन, रूस, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, इराक, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, कोरिया, स्विट्जरलैंड और सिंगापुर रहे। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अक्टूबर के दौरान रूस से आयात 8.85 प्रतिशत बढ़कर 38.8 अरब डॉलर रहा, जो एक साल पहले 35.65 अरब डॉलर था। इसी तरह, यूएई से आने वाला आयात 55.12 प्रतिशत बढ़कर 08.64 अरब डॉलर रहा। पिछले वित्त वर्ष के पहले सात महीनो मे यह 24.9 अरब डॉलर था। इस अवधि के दौरान, देश के शीर्ष 10 निर्यात गंतव्य अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, ब्रिटेन, चीन, सिंगापुर, सऊदी अरब, बांग्लादेश, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया रहे। यूएई को निर्यात चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अक्टूबर के दौरान 15.86 प्रतिशत बढ़कर 20.93 अरब डॉलर रहा। बीते वित्त वर्ष की इसी अवधि मे यह 18 अरब डॉलर था। वित्त वर्ष 2020-24 मे, अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार था। उसके बाद चीन का स्थान था। आंकड़ों के अनुसार, संयुक्त अरब अमीरात से आयात अक्टूबर में 70.07 प्रतिशत उछलकर 7.18 अरब डॉलर हो गया, जबकि निर्यात 43.02 प्रतिशत बढ़कर 3.72 अरब डॉलर रहा। भारत का यूएई के साथ मुक्त व्यापार समझौता है।

झारखंड के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध : राहुल

- नेता प्रतिपक्ष ने झारखंड दिवस पर दी बधाई
- भगवान बिरसा मुंडा को भी किया याद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने झारखंड के स्थापना दिवस पर राज्य के लोगों को शुक्रवार को बधाई देते हुए कहा कि 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) गठबंधन उनकी संस्कृति और अधिकारों की रक्षा के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। राहुल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, भरपूर प्राकृतिक, सांस्कृतिक और खनिज संपदा से युक्त झारखंड के स्थापना दिवस पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।''

उन्होंने कहा, ''झारखंड वासियों की सभ्यता और अधिकारों की रक्षा के लिए 'इंडिया' सदैव संकल्पित है। गांधी ने साथ ही लिखा, ''आदिवासी महानायक, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन। आदिवासी अस्मिता के लिए उनका संघर्ष और जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए उनका बलिदान हमें सदा प्रेरित करता रहेगा।

सुखद, समृद्ध एवं खुशहाल भविष्य की कामना : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी झारखंड के लोगों को शुभकामनाएं दीं और उनके सुखद, समृद्ध एवं खुशहाल भविष्य की कामना की। खरगे ने आदिवासी नेता बिरसा मुंडा को भी उनकी जयंती पर याद किया। खरगे ने 'एक्स' पर लिखा, ''जल-जगंल-जमीन एवं आदिवासी सभ्यता व संस्कृति की रक्षा के लिए अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध 'उलगुलान' करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी, धरती आबा, भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन। वे करोड़ों भारतीयों के प्रेरणास्रोत हैं एवं रहेंगे। उन्होंने कहा, ''प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण झारखंड राज्य के सभी बहन-भाइयों को झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई। आने वाला कल आप सभी के लिए सुखद, समृद्ध एवं खुशहाल बने, हमारी यही कामना है। झारखंड राज्य आधिकारिक तौर पर 2000 में मुंडा की जयंती पर अस्तित्व में आया।

मोदी, राहुल, खरगे व अखिलेश ने दी गुरु नानक की जयंती पर बधाई

पीएम नरेन्द्र मोदी ने सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव की जयंती पर देशवासियों को बधाई दी और कामना की कि उनकी शिक्षाएं सभी को करुणा, दया और विनम्रता की भावना को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करें। वहीं राहुल गांधी, अखिलेश यादव और खरगे ने लोगों को गुरु नानक जयंती की भी शुभकामनाएं दीं। हर साल कार्तिक पूर्णिमा के दिन गुरु नानक जयंती मनाई जाती है। इसे प्रकाश पर्व के नाम से भी जाना जाता है। इस वर्ष गुरु नानक देव जी की 555वीं जयंती मनायी जा रही है।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर लखनऊ में बजा नगाड़ा

यूपी की राजधानी लखनऊ में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय जनजाति भागीदारी उत्सव का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम लखनऊ के संगीत नाटकीय अकैडमी के परिसर में आयोजित किया जा रहा है। जिसका शुभारंभ उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नगाड़ा बजाकर किया इस मौके पर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण भी किया सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा किया गया। इस 6 दिवसीय उत्सव में लगभग 22 राज्यों के कलाकारों के साथ दो देश वियतनाम और स्लोवाकिया कलाकार अपनी प्रस्तुति दे रहे हैं। इस उत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ एक बड़ी प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ यूपी सरकार में समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण, राज्य मंत्री समाज कल्याण समेत प्रदेश सरकार के अधिकारी मौजूद है।

भाजपा की अहंकारी सरकार नहीं समझती दर्द : अखिलेश

» बोले- आंदोलन तन से नहीं मन से लड़े जाते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रयागराज सहित विभिन्न शहरों में पीसीएस, आरओ व एआरओ परीक्षा एक ही दिन में कराए जाने और नॉर्मलाइजेशन निरस्त करने की मांग कर रहे छात्रों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अगर ये सोच रही है कि वो छात्रों के आंदोलन को खत्म कर देगी तो ये उसकी महाभूल है। आंदोलन तन से नहीं मन से लड़े जाते हैं और अभी तक वो ताकत दुनिया में नहीं बनी जो मन को हिरासत में ले सके।

एक्स पर उन्होंने बयान दिया कि भाजपा की अहंकारी सरकार अगर ये सोच रही है कि वो इलाहाबाद में यूपीपीएससी के सामने से आंदोलनकारी अभ्यर्थियों को हटाकर, युवाओं के अपने हक के लिए लड़े जा रहे लोकतांत्रिक आंदोलन को खत्म कर देगी, तो ये उसकी 'महा-भूल' है। आंदोलन तन से नहीं मन से लड़े जाते हैं और अभी तक वो ताक़त दुनिया में नहीं बनी जो मन को हिरासत में ले सके। जुड़ेंगे तो जीतेंगे!

वन नेशन वन इलेक्शन की बात करने वाले परीक्षा नहीं करवा पा रहे हैं : संजय सिंह

आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह भी छात्रों के समर्थन में आ गए हैं। उन्होंने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन की बात करने वाले पीसीएस, आरओ और एआरओ परीक्षा एक दिन में कराये जाने की मांग पर बेरोजगारों को पीट-घसीट रहे हैं। अंधभक्त आपको गालियां देते हैं वो भूल जाते हैं ये बेरोजगारी की मार झेलने वाले बेटे-बेटियां भी हिंदू हैं। भाजपा का नफरती जहर आपकी जिंदगी बर्बाद कर देगा।

जब भाजपा जाएगी, तब नौकरी आएगी

योगी सरकार की इस घोषणा के बाद अखिलेश यादव ने तंज सका है। अखिलेश ने एक्स पर लिखा कि भाजपा सरकार को चुनावी गणित समझ आते ही जब अपनी हार सामने दिखाई दी तो वो पीछे तो हटी पर उसका घमंड बीच में आ गया है, इसीलिए वो आधी माँग ही मान रही है। उन्होंने फिर कहा कि अभ्यर्थियों की जीत होगी। ये आज के समझदार युवा है, सरकार इन्हें झुनझुना नहीं पकड़ा सकती। जब एक परीक्षा हो सकती है तो दूसरी क्यों नहीं। चुनाव में हार ही भाजपा का असली इलाज है। जब भाजपा जाएगी तब 'नौकरी' आएगी।

कटेहरी में शिवपाल यादव ने मतदान से पहले बूथ प्रबंधन पर दिया जोर

यूपी के अंबेडकरनगर में कटेहरी उपचुनाव को लेकर सपा राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव दो दिवसीय दौरे पर बृहस्पतिवार को एक बार फिर से यहां पहुंचे। उन्होंने अलग-अलग जगहों पर बैठककर बूथ स्तरीय पदाधिकारियों से चुनाव को लेकर बातचीत की। कहा कि हमें विकास के मुद्दों पर डटे रहना है। प्रशासन के किसी जोर जबरदस्ती से घबराना नहीं है। हमें शांत रहकर अपने सभी मत बूथों तक पहुंचा देने हैं। कटेहरी उपचुनाव में सपा के प्रभारी बनाए गए महासचिव शिवपाल इससे पहले दो चरण में जिले का दौरा कर चुके हैं। अब तक वह पांच दिन का यहां प्रवास कर चुके हैं। शिवपाल अब फिर दो दिवसीय दौरे पर यहां आए हैं। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के निकट कार्यकर्ताओं ने उनकी अगुवानी की। इसके बाद वे सीधे इब्राहिमपुर क्षेत्र स्थित बरुआ जलाकी महाविद्यालय पहुंचे।

भाजपा ने उपचुनाव में करवाया फर्जी मतदान : जीतू पटवारी

» दलितों पर हमले को लेकर प्रदर्शन कर रही कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश की दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के बाद भी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रेसवार्ता कर बीजेपी को जमकर घेरा। उन्होंने विजयपुर में 37 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान की मांग की। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर कई गंभीर आरोप लगाए।

वहीं, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने श्योपुर में दलितों के घरों में आग लगाने का वीडियो जारी कर कहा कि हमले को लेकर 15 नवंबर को प्रदेश भर में प्रदर्शन किया जाएगा। जीतू पटवारी ने कहा कि बाबा साहब की मूर्ति को तोड़ा गया है। दलितों के घरों में आग लगा दी गई। पटवारी ने कहा कि बीजेपी के नए भारत में पीएम मोदी के नेतृत्व में नेताओं की मंडी लगती है। जो वादे किए वो आज तक पूरे नहीं हुए। चुनाव के दौरान कांग्रेस ने 100 शिकायतें की। सरकारी कर्मचारियों को भाजपा का एजेंट बनाया गया। हमने श्योपुर कलेक्टर को लेकर शिकायत की थी।

दलितों के घरों में आग लगाने का वीडियो जारी

उन्होने मीडिया में दलितों के घरों में आग लगाने का वीडियो भी जारी किया है। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी दलितों पर हमले को लेकर पूरे प्रदेश में प्रदर्शन करेगी। 15 नवंबर को कांग्रेस का राज्य स्तरीय प्रदर्शन होगा। ब्लॉक स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। विजयपुर उपचुनाव के दौरान हुई हिंसा को लेकर पार्टी आंदोलन कर स्थानीय पदाधिकारियों को ज्ञापन सौंपेगी।

आदिवासी गांव में प्रशासन ने नहीं बांटी पर्ची

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने आगे कहा कि विजयपुर में आदिवासियों पर हमला हुआ। 37 गांवों में आतंक मचाया गया। आदिवासी गांव में प्रशासन ने पर्ची नहीं बांटी। आंगनवा?ी कार्यकर्ताओं को बुधनी में बूथ पर बैठाया गया। बीजेपी पागल हाथी की तरह है। स्थानीय शासन में बीजेपी के लिए वहां पर काम किया। उन्होंने भाजपा पर फर्जी वोट डालने का भी आरोप लगाया।

पहले ही कहा था कि राजस्थान से गुंडे आएंगे और आए भी। सरकार खुद कह रही थी कि जो करना है करें, सब निपट लेंगे।

सात महीने की देरी के बाद भाजपा की साजिश से भड़की हिंसा : गहलोत

» बोले पूर्व सीएम- कांग्रेस में आ चुके थे नरेश मीणा फिर खड़े कैसे हुए

» एसडीएम थप्पड़ कांड- किसकी शह में घटी घटना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

टोंक। पूरे राजस्थान की नजर इस समय टोंक के एसडीएम थप्पड़ कांड पर टिकी हुई है। चुनाव के दौरान बहसबाजी में निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने एसडीएम को थप्पड़ मारना था। इस घटना के बाद नरेश मीणा धरना फिर गिरफ्तारी और उसके बाद शुरू हुआ उपद्रव ने पूरे राजस्थान का हिलाकर रख दिया है।

सच्चाई स्वीकार करें या खंडन करें

गहलोत ने आगे कहा प्रदेश में पुलिस का इकबाल खत्म हो गया है। प्रदेश सरकार को अब विचार करना होगा कि ये सब क्यों हो रहा है। गहलोत ने आगे कहा कि अगर हमारी बातों में सच्चाई नहीं है तो हमारी बात का खंडन करें और अगर हमारी बात में दम है, सच्चाई है, तो उस पर विचार करें, मंथन करें और सुधार करें।

इस मामले में अब राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी तमाम सवाल खड़े कर दिए हैं। नरेश मीणा और एसडीएम थप्पड़ कांड पर बोलते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सवाल करते हुए कहा कि नरेश मीणा जब कांग्रेस में आ चुके थे तो चुनाव में खड़े ही क्यों हुए? यह भी एक विचारणीय विषय है। गहलोत ने इस पर भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि क्या भारतीय जनता पार्टी ने जीत के लिए नरेश मीणा को खड़ा किया था? गहलोत ने का कि ये एक रहस्य है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी इस विषय पर सारी जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि जो भी घटा है वो ठीक नहीं है। एक एसडीओ अधिकारी को कोई ड्यूटी पर थप्पड़ मार दे ये कोई छोटी बात नहीं है।

दिल्ली को मिला नया मेयर

» आप ने दिया भाजपा को झटका, महेश खींची बने एमसीडी के नए मेयर

» बीजेपी उम्मीदवार किशनलाल को हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में 7 महीने की देरी के बाद नए मेयर मिल गया है। महेश खींची शैली ओबेरॉय की जगह लेंगे। अब तक शैली ओबेरॉय एक्सटेंशन पर थीं। दिल्ली में हर साल मेयर का चुनाव अप्रैल में होता है। लेकिन इस साल यह चुनाव 7 महीने की देरी से हुई। दिल्ली में मेयर चुनाव के नतीजे आ गए हैं।

एमसीडी में एक बार फिर से आम आदमी पार्टी का मेयर बन गया है। आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार महेश खींची ने दिलचस्प मुकाबले में भाजपा उम्मीदवार किशन लाल को तीन वोटो से हराया है। दरअसल, गुरुवार को दिल्ली नगर निगम में मेयर डिप्टी मेयर पद के

चुनाव हुए। मेयर पद के लिए कुल 265 वोट पड़े जिनमें से दो वोटो को अमान्य कर दिया गया। आप उम्मीदवार महेश खींची को जहां 133 वोट मिले वहीं भाजपा उम्मीदवार किशनलाल को 130 वोट से संतोष करना पड़ा। दिल्ली में 2022 में निगम के चुनाव हुए थे जिसमें आम आदमी पार्टी के 134 पार्षद जीतकर आए थे। वहीं, कांग्रेस ने दिल्ली में मेयर चुनाव का बहिष्कार किया। पार्टी ने कहा कि वह चाहती है कि नया मेयर, एक दलित, पूरे एक साल का कार्यकाल पूरा करे, न कि छोटा कार्यकाल, जो अगले साल अप्रैल में समाप्त होगा। नाम न छापने की शर्त पर एक कांग्रेस पार्षद ने कहा कि हम सदन में उपस्थित होंगे लेकिन मतदान से दूर रहेंगे। हम चाहते हैं कि दलित मेयर को सिर्फ चार महीने के बजाय पूरा कार्यकाल मिले।

सपा के पीडीए फॉर्मूले से घबराई बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उप-चुनाव को लेकर चल रही सियासी गहमा-गहमी के बीच लखनऊ में बीजेपी और संघ की बड़ी बैठक हुई है। इस बैठक में सपा के पीडीए फॉर्मूले की काट से लेकर छात्रों के आंदोलन को लेकर चर्चा की गई। इसके साथ ही आगे की रणनीति पर भी मंथन हुआ। बीजेपी और संघ की बैठक में उपचुनाव को लेकर रणनीति बनाई गई।

इस बैठक में आरएसएस के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने संघ की क्षेत्रीय टोली और भाजपा नेताओं के साथ बातचीत की। इस दौरान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल भी मौजूद रहे। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि बीजेपी संगठन में बदलाव से लेकर मंत्रिमंडल में बदलाव और आयोगों में पद देते समय संघ पृष्ठभूमि वाले लोगों को ज्यादा तरजीह दी जाए. इसके साथ ही पीएम मोदी के जनहित और विकासकारी एजेंडे को कैसे आगे बढ़ाना है इसका मंत्र भी दिया गया। बैठक में समाजवादी पार्टी के पीडीए फॉर्मूले की काट को लेकर भी मंथन किया गया है. संघ ने पीडीए की काट के लिए हिंदुत्व के एजेंडे को धार देने पर जोर दिया।

इसके लिये पीएम मोदी के नारे एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे को आधार बनाते हुए इसे जमीन पर उतारने पर ज़ोर दिया गया सीएम योगी के बंटेंगे तो कटेंगे के नारे को भी आधार बनाया जाएगा।

महाराष्ट्र में तेजी पर प्रचार, शुरू हुआ सियासी वार

महायुति व महाविकास ने किए जीत के दावे

विस चुनाव में रणनीति बनाने में जुटे सभी दल

» राज्य की समस्याओं पर कोई नहीं बोलना चाहता

» पवार के भतीजे अजित के दावे ने मचाई सियासी खलबली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव 20 नवंबर को होने हैं। यहां के चुनाव इस बार जितना दिलचस्प है, उतना ही पेचीदा भी है। महाराष्ट्र की राजनीति वैसे भी गठबंधन और धड़ों में बंटी हुई है लेकिन छोटे दलों की मौजूदगी ने इस बार मुकाबले को और भी रोमांचक बना दिया है। शरद पवार, उद्धव ठाकरे , राज ठाकरे से लेका हर छोटा बड़ा नेता अपने-अपने जीत के दावे किए है। महाराष्ट्र के चुनावी मैदान में कई छोटी पार्टियां उतरी हैं जिनमें समाजवादी पार्टी, प्रहार जनशक्ति पार्टी, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे), वंचित बहुजन अघाडी और किसान संगठन जैसे दल शामिल हैं।

ये पार्टियां क्षेत्रीय और जातिगत आधार पर चुनाव लड़ती हैं और अपने-अपने इलाकों में अच्छा प्रभाव रखती हैं, इनका सीधा असर ये है कि ये बड़ी पार्टियों का वोट बैंक काट सकती हैं और कुछ सीटों पर उलटफेर कर सकती हैं, छोटी पार्टियां अपने मुद्दों पर खास पकड़ रखती हैं, जैसे किसान अधिकार, मराठा आरक्षण, पिछड़ा वर्ग के मुद्दे और बेरोजगारी। ये मुद्दे वो हैं जिनसे लोग भावनात्मक रूप से जुड़े होते हैं। जब ये पार्टियां चुनाव में उतरती हैं, तो एक तरह से वोटों में बंटवारा कर देती है इसका सबसे बड़ा असर बड़े दलों पर होता है। क्योंकि कई सीटों पर वोटों के बंटवारे से नतीजे बदल सकते हैं। एमएनएस ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत 2009 लोकसभा चुनाव में की थी। उस समय पार्टी ने उत्तर मुंबई, उत्तर-पूर्व मुंबई, दक्षिण मुंबई और दक्षिण मध्य मुंबई जैसे इलाकों में 8.5 लाख वोट हासिल किए थे, हालांकि, पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली। इसके बाद, पार्टी ने राज्य विधानसभा चुनावों में अपनी ताकत दिखाई। 2014 के विधानसभा चुनावों में एमएनएस ने 13 सीटें जीतीं, जिनमें से आठ सीटें मुंबई में थीं,यह जीत पार्टी के लिए बड़ी सफलता थी, लेकिन इसके बाद पार्टी का प्रभाव धीरे-धीरे कम होता गया। एमएनएस ने समय-समय पर अपने विवादित बयानों और रैलियों के कारण सुर्खियां बटोरीं। हालांकि, अब पार्टी का चुनावी प्रभाव पहले जैसा नहीं रहा। वर्तमान में एमएसएस के पास सिर्फ एक विधायक है और कुछ नगर निगमों में कॉर्पोरेटर हैं। 2024 विधानसभा चुनाव में एमएसएस ने 128 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है, जिनमें से 25 उम्मीदवार मुंबई से हैं। दिलचस्प बात यह है कि राज ठाकरे ने बीजेपी को चुपचाप समर्थन देने के बावजूद बीजेपी के खिलाफ भी 70 उम्मीदवार उतारे हैं।

तीसरे मोर्चे की चुनौती

इसके अलावा, महाराष्ट्र चुनाव में अब तक के सबसे बड़े मोर्चों में से एक है परिवर्तन महाशक्ति पूर्व सांसद राजू शेट्टी के नेतृत्व वाले इस गठबंधन में स्वाभिमानी पार्टी, संभाजी छत्रपति की छत्रपति महाराष्ट्र स्वराज पार्टी और विधायक बच्चू कडू की प्रहार जनशक्ति शामिल हैं यह गठबंधन 288 में से 121 सीटों पर चुनावी मैदान में उतरा है। रज्जू शेट्टी का राजनीतिक प्रभाव खासतौर पर हटकांगले, कपूर और अचलपुर में देखा जाता है। इन क्षेत्रों में उनकी पकड़ काफी मजबूत मानी जाती है। हालांकि, शेट्टी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में शिंदे गुट से हाथ मिलाने की कोशिश की थी, जो उनके लिए फायदेमंद साबित नहीं हुआ, अब वह फिर से अपने पुराने गुटों के साथ हैं। बटुकू प्रहार अपनी पार्टी प्रहार जनशक्ति के नेतृत्व में चुनावी मैदान में हैं।

प्रमुख क्षेत्रीय चेहरा, छोटे इलाकों में बड़ा असर

चुनाव में अकेले नेता भी बड़ा बदलाव ला सकते हैं। सबसे दिलचस्प और अहम चेहरा मनोज जरांगे का है। वह मराठा आरक्षण के मुद्दे को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं और सुप्रीम कोर्ट द्वारा मराठा आरक्षण को खारिज करने के बाद उन्होंने ओबीसी श्रेणी में मराठों को शामिल करने की मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया था। हालांकि, पहले मनोज जारंगे ने चुनावी मैदान में उतरने का ऐलान किया था, लेकिन कुछ दिन पहले ही उन्होंने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली। वह यह मानते हैं कि किसी एक जाति के आधार पर चुनाव नहीं जीते जा सकते। उन्होंने चुनावी गठबंधन के लिए अंबेडकर के पोते आनंदराज अंबेडकर और कुछ मुस्लिम नेताओं को अपने साथ लाने की कोशिश की, लेकिन यह गठबंधन ज्यादा प्रभावी साबित नहीं हुआ इसके बाद उन्होंने चुनावी क्षेत्र में उम्मीदवार नहीं उतारे, लेकिन यह दावा किया कि वह सुनिश्चित करेंगे कि कुछ ऐसे उम्मीदवार हारें जिनका मराठा आरक्षण के खिलाफ रुख है।

एमवीए के पक्ष में है अंडरकरंट, पैसे से उसका मुकाबला कर रहा महायुति : पवार

एनसीपी (शरद चंद्र पवार गुट) ने कहा है कि महाराष्ट्र में पिछले 10 सालों में उद्धव ठाकरे की करीब दो साल की सरकार के अलावा बाकी आठ साल से भाजपा और उसके साथियों के ही हाथ में सत्ता रही है। मगर उनके काम करने की जो पद्धति है, मुझे लगता है कि लोग इससे संतुष्ट नहीं है। अभी कुछ महीने पहले महायुति सरकार ने इसके मद्देनजर ही कुछ सौगातों की घोषणाएं कीं, क्योंकि लोकसभा चुनाव में लोगों ने इन्हें उनकी जगह दिखाते हुए नीचे उतारा था। इसलिए पापुलर प्रोग्राम लेकर लोगों में जाने का उन्हें इस चुनाव में ख्याल आया है। मगर आम लोगों को यह मालूम है कि महायुति का यह चुनावी जुमला है। चुनाव होने के बाद ऐसा कुछ नहीं करेंगे। इसीलिए महाराष्ट्र की जनता का मूड सत्ता परिवर्तन करते हुए हुकूमत को बदलना का बन चुका है। जवाब- ऐसा नहीं है। अघाड़ी के सभी दलों के साथी सभी जगह हमारे साथ आ रहे हैं। अभी यहीं देखिए तीनों दलों के नेता-कार्यकर्ता मिलकर काम कर रहे हैं। एमवीए में मुख्यमंत्री पद को लेकर किसी पार्टी की ओर से कोई दावेदारी नहीं है। महाराष्ट्र की जनता तय करेगी कि किसे मुख्यमंत्री बनाना है। चुनाव नतीजे आने के बाद कांग्रेस, एनसीपी-एसपी और शिवसेना यूबीटी हम तीनों मिलकर सीएम तय करेंगे। हमारे बीच कोई अनबन नहीं है और ऐसी बातें हमारे विरोधी पक्ष फैला रहे हैं। महाराष्ट्र में भाजपा और उनके साथियों के जीत की कोई संभावना नहीं है। अगर उनकी हार हो गई तो संदेश देश भर में जाएगा। आज प्रधानमंत्री मोदी जरूर देश की हुकूमत चला रहे हैं, मगर इसके लिए उन्हें आंध्र प्रदेश के चंद्रबाबू नायडू और बिहार के नीतीश कुमार की मदद लेनी पड़ी रही है। ये दोनों लोग एक समय में भाजपा की राजनीति पर प्रहार करते थे। कोई छुपा-छुपी का खेल नहीं है। प्रधानमंत्री जब मुझ पर आक्रामक हमला करते हैं तो यह मेरे फायदे की बात है। कुछ समाचारपत्रों ने आजकल लिखा था कि पीएम ने पवार साहब के लिए चुप्पी लगाई हुई है और बोल नहीं रहे हैं। वे बोल नहीं रहे हैं, यह मेरे लिए चिंता की बात है और उन्हें बोलना चाहिए। जब चुनाव नहीं होता और वे बोलते हैं तब मुझे ज्यादा चिंता होती है क्योंकि वे लोगों के सामने कहते हैं कि शरद पवार की उंगली पकड़ कर मैं जाता हूं। मुझे मेरी उंगली के बारे में चिंता रहती है। यह सच नहीं है। सबसे पहली बात कि महाराष्ट्र में आज तक यह कभी हुआ नहीं कि किसी राजनीतिक पार्टी को कोई डिक्टेट नहीं कर सकता कि कौन सीएम बने। हां, किसी काम से आया होगा, मुलाकात की होगी। मगर सरकार और सीएम कौन होगा, यह निर्णय करने की ताकत महाराष्ट्र में किसी के पास है तो यहां की जनता और राजनीतिक पार्टियों को है। किसी उद्योगपति की ऐसी ताकत कभी नहीं रही और होगी भी नहीं। जहां तक अदाणी से मुलाकात की बात है तो अजित पवार को केवल उनके पास ही नहीं तमाम कई अन्य उद्योपतियों व कारोबारियों के पास लेकर गया हूं मगर इसका एजेंडा महाराष्ट्र के विकास और उद्योग का था। उन्हें बाकी अन्य लोगों का नाम भी बताना चाहिए केवल एक व्यक्ति का नाम लेना चाहिए।

समाजवादी पार्टी और वंचित बहुजन अघाड़ी की एंट्री

महाराष्ट्र चुनाव में बड़े राजनीतिक दलों के साथ-साथ छोटे दलों की भी अहम भूमिका देखने को मिल रही है, इनमें समाजवादी पार्टी और वंचित बहुजन आघाड़ी जैसे दल भी चुनावी मैदान में हैं, जो अपने खास मुद्दों के साथ वोटों का बंटवारा करने का काम कर रहे है। समाजवादी पार्टी ने 1995 में महाराष्ट्र में अपनी राजनीतिक यात्रा की शुरुआत की थी। हालांकि पार्टी का महाराष्ट्र में असर सीमित ही रहा है और अब तक कुछ ही सीटों पर चुनाव लड़ा है,अब तक, एसपी ने मुंबई और ठाणे से कुल तीन विधायक चुने हैं। इस बार, एसपी ने महाविकास आघाड़ी के उम्मीदवारों का समर्थन किया और मुंबई नॉर्थईस्ट, दुले और बंदी जैसे इलाकों में उनके लिए प्रचार किया। हालांकि, अखिलेश यादव की पार्टी को महाविकास अघाड़ी से केवल दो सीटें मिलीं- मनुर शिवाजी नगर और बंदी वेस्ट। वहीं वंचित बहुजन अघाड़ी की शुरुआत 2018 में हुई थी और पार्टी ने अपनी चुनावी यात्रा 2019 लोकसभा चुनाव में शुरू की। इस चुनाव में एआईएमआईएम के साथ मिलकर गठबंधन किया और 14 प्रतिशत वोट शेयर हासिल किया, लेकिन एक भी सीट नहीं जीत पाई. 2024 के इस चुनाव में वीबीए ने 181 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है और कई अन्य गैर वीबीएक उम्मीदवारों का समर्थन किया है। समाजवादी पार्टी और वंचित बहुजन अघाड़ी जैसे छोटे दल इस चुनाव में सामाजिक न्याय, पिछड़े वर्गों के अधिकार और समानता का मुद्दा उठा रहे हैं। इन पार्टियों का मकसद उन लोगों को मंच देना है, जो खुद को हाशिये पर महसूस करते हैं। खासतौर पर दलितों और अन्य पिछड़े वर्गों की आवाज उठाने का दावा करने वाली वंचित बहुजन अघाड़ी कुछ विशेष क्षेत्रों में मजबूत पकड़ रखती है।

गठबंधन और सीट बंटवारा, एक मुश्किल काम था

महाराष्ट्र चुनाव में इन छोटी पार्टियों और क्षेत्रीय नेताओं की मौजूदगी से वोटों का बंटवारा होना तय है, इनके मुद्दे और क्षेत्रीय पकड़ बड़े दलों के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं, इन दलों और नेताओं की वजह से कुछ सीटों पर कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी और इसके चलते बड़े गठबंधनों का सफर आसान नहीं रहने वाला है, इसका सबसे ज्यादा असर उन सीटों पर पड़ेगा जो पारंपरिक रूप से किसी एक गठबंधन के पक्ष में जाती हैं। महायुति और महाविकास अघाड़ी के गठबंधन की रणनीतियां पहले से ही काफी पेचीदा हैं बड़े दलों को छोटी पार्टियों के साथ तालमेल बिठाने के लिए उन्हें सीटें देनी पड़ती हैं, जिससे खुद के लिए सीटें कम हो जाती हैं। तो कुल मिलाकर, छोटी पार्टियों से सबसे ज्यादा परेशान महाविकास आघाडी है इन पार्टियों के उभरने से एमवीए को ओबीसी, दलित, मुस्लिम और अन्य समुदायों में अपनी पकड़ बनाए रखने में मुश्किलें आ सकती हैं, वहीं, महायूति को भी स्व्हर और समाजवादी पार्टी जैसे दलों से चुनौतियां मिल सकती है यह देखने वाली बात होगी कि इन छोटे दलों का जनता पर कितना प्रभाव पड़ता है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बच्चे समाज की सबसे बड़ी पूंजी!

बाल दिवस पर पूरे देश ने पूर्व पीएम व आधुनिक भारत के शिल्पी पंडित जवाहर लाल नेहरू को विनम्र श्रद्धांजलि दी। पीएम नेहरू हमेशा देश में बच्चों की शिक्षा देने की जरूरत पर बल देते थे। वह बच्चों के प्रिय थे इसलिए उनके जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाने की परंपरा है। वह भारत वासियों को हमेशा कहते थे कि संकट के समय हर छोटी चीज मायने रखती। इसे अलावा भी उन्होंने कई प्रेरक बाते व काम की बातें कहीं जो मानवीय जीवन के लिए लाभप्रद हैं। चाचा नेहरू का मानना था कि बच्चे किसी भी समाज की सबसे बड़ी पूंजी हैं। जैसे तथ्य तो तथ्य है और आपकी पसंद के कारण गायब नहीं होंगे। सत्य हमेशा सत्य ही रहता है चाहे आप उसे पसंद करें या ना करें। एक विश्वविद्यालय मानवतावाद, सहिष्णुता, तर्क, विचारों के साहस और सत्य की खोज के लिए खड़ा है। आइए हम थोड़ा नम्र बनें; हम सोचें कि सत्य शायद पूरी तरह हमारे साथ नहीं है। आज के बच्चे कल के भारत का निर्माण करेंगे। हम उन्हें जिस तरह से पालेंगे, उससे देश का भविष्य तय होगा। सही शिक्षा से ही समाज की बेहतर व्यवस्था का निर्माण किया जा सकता है। सफलता उन्हें मिलती है, जो निडर होकर फैसला लेते हैं और परिणामों से नहीं घबराते।

बच्चे एक बगीचे में कलियों की तरह होते हैं और उन्हें प्यार से पोषित किया जाना चाहिए, क्योंकि वे देश का भविष्य और कल के नागरिक हैं।संकट के समय हर छोटी चीज मायने रखती है।सही शिक्षा से ही समाज की बेहतर व्यवस्था का निर्माण किया जा सकता है।अगर किसी देश को सच्ची महानता की ओर बढ़ना है, तो उसे अपने बच्चों का भला करना होगा।हम अपने बच्चों को किताबों से ज्ञान दे सकते हैं, परन्तु जीवन के मूल्य उन्हें अनुभव से सिखाए जाते हैं।चिल्ड्रेंस डे पंडित जवाहरलाल नेहरू की बच्चों के प्रति गहरी समझ और उनके प्रति लगाव को समर्पित एक दिन है। उन्होंने हमेशा बच्चों को देश का भविष्य और समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया है। उनके विचारों और कोट्स में आज भी एक ऐसा संदेश छिपा है, जो हमें बच्चों की परवरिश और शिक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी का एहसास कराता है। हर साल 14 नवंबर को पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस के रूप में चिल्ड्रेंस डे मनाया जाता है। पंडित नेहरू भारत के पहले प्रधानमंत्री और स्वतंत्रता संग्राम के महान नेता थे। पंडित जवाहरलाल नेहरू का बच्चों के प्रति असीम प्रेम था। उन्होंने हमेशा बच्चों को प्रोत्साहित करने, उनके अधिकारों की रक्षा करने और उन्हें बेहतर भविष्य देने पर जोर दिया। बच्चों के प्रति उनके प्रेम और समर्पण ने ही उन्हें चाचा नेहरू का नाम भी दिलाया। दरअसल चाचा नेहरू का मानना था कि बच्चे किसी भी समाज की सबसे बड़ी पूंजी हैं। आज के बच्चों को भी चाचा नेहरू से सीखते रहने चाहिए।

“ सत्य हमेशा सत्य ही रहता है चाहे आप उसे पसंद करें या ना करें। एक विश्वविद्यालय मानवतावाद, सहिष्णुता, तर्क, विचारों के साहस और सत्य की खोज के लिए खड़ा है। आइए हम थोड़ा नम्र बनें; हम सोचें कि सत्य शायद पूरी तरह हमारे साथ नहीं है। आज के बच्चे कल के भारत का निर्माण करेंगे। हम उन्हें जिस तरह से पालेंगे, उससे देश का भविष्य तय होगा। सही शिक्षा से ही समाज की बेहतर व्यवस्था का निर्माण किया जा सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

देश की तरक्की में बाधक हैं मुफ्त की रेवड़ियां

क्षमा शर्मा

पिछले दिनों कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक में अपने ही दल की सरकार की यह कहकर आलोचना की कि जो चुनावी वादे पूरे नहीं किए जा सकते, उन्हें न करें। वजह यह है कि सरकार बन जाने पर उन्हें पूरा करने में कठिनाई आती है। उनका आशय मुफ्त की उन योजनाओं से था, जिन्हें पूरा करने में सरकारी खजाने को खाली होने का डर होता है। हिमाचल प्रदेश के बारे में अभी खबर आई ही थी कि वहां सरकारी खजाने का हाल यह है कि सरकारी कर्मचारियों को वेतन देने तक के लिए संसाधन जुटाने में दिक्कत आ रही है। हिमाचल प्रदेश में भी कांग्रेस की सरकार ही है। लेकिन पक्ष-विपक्ष के नेताओं को चुनाव जीतने से मतलब होता है। सोच लिया जाता है कि बाद की बाद में देखेंगे। इसलिए खड़गे के बयान पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

अरसे से देख रहे हैं कि सभी दल, जनता उन्हें वोट दे, वे किसी न किसी तरह चुनाव जीत जाएं, इसके लिए मुफ्त में सब कुछ देने का वादा करते हैं। वे भूल जाते हैं कि अपने ही किए गए वादों के जाल में फंस सकते हैं। फंसते हैं, तभी तो खड़गे ने ऐसा बयान दिया। एक बार तमिलनाडु से आने वाली घरेलू सहायिका ने बताया था कि महीने भर का राशन- अनाज, चावल, दालें, तेल, मसाले आदि सब चीजें मुफ्त में हर एक के घर पहुंचा दी जाती हैं। महिलाओं के लिए बस यात्रा मुफ्त है। चुनावी घोषणापत्र में अनेक दल टीवी, मोबाइल, साइकिल, स्कूटी, लैपटॉप, साड़ियां आदि देने का वादा करते हैं। पक्के घर, बिजली, पानी आदि भी देने के वादे किए जाते हैं। मुफ्त की चिकित्सा सुविधा भी। इन दिनों तो युवाओं, स्त्रियों, बुजुर्गों के खाते में सीधे हजारों रुपए भेजने की बातें की जाती हैं। ये पैसे कहां से आएंगे, इसकी चिंता किसी दल को नहीं होती। सारे पैसे मुफ्त में देने में ही खर्च हो जाएंगे, तो बाकी के कामों का क्या होगा। कोई भी यह नहीं कहता कि लोग परिश्रम करें। न ही इसकी योजनाएं बनाई जाती हैं कि लोगों को अधिक से अधिक संख्या में काम पर कैसे लगाया जाएगा।

वैसे भी अपने यहां कहावत है कि अजगर करे न चाकरी, पंछी करे न काम। दास मलूका कह गए सबके दाता राम। यानी कि लोग भाग्य और अब सरकारों के भरोसे रहें। किसी भी देश को बर्बाद करना हो, तो लोगों को श्रम से मुंह मोड़ना और भाग्य के भरोसे रहना सिखा दें। यही अपने यहां हो रहा है।

मुफ्त की रेवड़ियां बांटें और कुछ रास्ता न बचे तो वर्ल्ड बैंक के सामने कटोरा फैलाकर कर्ज ले लिया जाए। वेनेजुएला जैसे फलते-फूलते देश की अर्थव्यवस्था इन रेवड़ियों के कारण किस तरह से बैठ गई, यह हम सबने देखा। और सोवियत संघ के पतन से भी हमने कुछ नहीं सीखा। सोचें कि मुफ्त देने के मुकाबले यदि इन पैसों को देश के विकास में लगाया जाए, तो इससे लोगों को काम भी मिलेगा और लोगों के परिश्रम की आदत भी नहीं छूटेगी।

कुछ साल पहले बिजली का बिल ठीक कराने के लिए बिजलीघर गई थी। वहां पता चला कि फोटोकापी वाला इस काम को आसानी से करा देता है। कुछ पैसे देने होंगे। बार-बार आने और फिर भी काम न हो पाने के मुकाबले, कुछ पैसे देना उचित लगा। वहां पहुंची, तो फोटोकापियर एक आदमी से बात कर रहा था। वह आदमी कह रहा था कि पास ही की एक कालोनी में उसका पच्चीस गज का चार मंजिल का घर है। चारों मंजिल उसी के पास हैं। वह चाहता है कि हर मंजिल पर एक अलग मीटर लगा दिया जाए, जिससे कि किसी भी मंजिल का बिल दो सौ यूनिट से ज्यादा न आए और उसे बिजली का एक पैसा न देना पड़े। यानी कि खर्च तो आठ सौ यूनिट होंगी, मगर अलग-अलग मीटरों के कारण उसका बिजली का बिल शून्य होगा। कारण, दिल्ली की सरकार ने दो सौ यूनिट बिजली मुफ्त में दे रखी है। यह तो एक उदाहरण है, लम्बे-चौड़े दिल्ली शहर में ऐसा कितने लोग करते होंगे, इसका अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है। दरअसल, एक बार अगर मुफ्त की कोई योजना शुरू कर दी जाए तो फिर किसी भी दल की हिम्मत नहीं होती कि वह उसे खत्म कर दे। क्योंकि खत्म करते ही विरोधी उसके पीछे पड़ जाते हैं और अपना नुकसान होते देख, लोग चुनाव हरा देते हैं।

इसके अलावा यह भी होता है कि आज आपने किसी को एक रुपया मुफ्त दिया है, तो वह कहता है कि एक रुपया तो पहले से ही मिलता है, वही दे रहे हो तो नया क्या दे रहे हो। वोट तो तब दें, जब ये बताओ कि इस एक रुपए से बढ़ाकर कितना दोगे। जितना मुफ्त मिलता जाता है, लालच बढ़ता जाता है। कुछ साल पहले पास ही के उत्तर प्रदेश के शहर में साहित्य उत्सव में गई थी। वहां स्थानीय लोग बहुत थे। उनमें से बहुत से गांवों से आए थे। उनका कहना था कि अब गांवों में युवा काम करने को तैयार नहीं हैं क्योंकि वहां लोगों को बहुत कुछ मुफ्त मिलता है, तो कोई काम क्यों करे। यह भी बताया कि बहुत से युवा इकट्ठे होकर, दिन भर जुआ खेलते रहते हैं। चूंकि खाली हैं, तो लड़ाई-झगड़ा और अपराधों का ग्राफ भी बढ़ा है। यह सिर्फ एक स्थान की बात नहीं है।

विवेकशील समाज विरोधी अनैतिक राजनीति

हर चुनाव में नये-नये नारे सुनाई देते हैं, हर चुनाव में नये-नये नारों से नेता हमें भरमाने की कोशिश करते हैं। ऐसा ही एक नारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने दिया है। खूब चल रहा है वह नारा। 'बटेंगे तो कटेंगे' के इस नारे को हरियाणा के चुनावों में बाजी पलटने वाला नारा बताया गया था। जब यह नारा पहली बार लगा तो किसी को यह शक नहीं था कि नारा लगाने वाला कहना क्या चाहता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के मुंह से ही 'अस्सी और बीस' वाली बात देश पहले सुन चुका था।

विश्वनाथ सचदेव

पंद्रह लाख रुपये हर भारतीय की जेब में आने वाले वादे को जब देश के गृहमंत्री ने एक चुनावी जुमला बताया तभी देश को समझ लेना चाहिए था कि राजनेताओं के वादे-दावे भरमाने के लिए ही होते हैं। और यह कोई पहली बार नहीं थी जब देश के किसी नेता ने इस तरह की स्वीकारोक्ति की थी। नेता चाहे किसी भी रंग की टोपी पहनने वाले हों, सब की कथनी एक-सी होती है। चुनाव-दर-चुनाव देश का मतदाता अपने नेताओं द्वारा भरमाया जाता है। कुछ ऐसा ही हाल नेताओं के नारों का भी है। हर चुनाव में नये-नये नारे सुनाई देते हैं, हर चुनाव में नये-नये नारों से नेता हमें भरमाने की कोशिश करते हैं। ऐसा ही एक नारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने दिया है। खूब चल रहा है वह नारा। 'बटेंगे तो कटेंगे' के इस नारे को हरियाणा के चुनावों में बाजी पलटने वाला नारा बताया गया था। जब यह नारा पहली बार लगा तो किसी को यह शक नहीं था कि नारा लगाने वाला कहना क्या चाहता है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के मुंह से ही 'अस्सी और बीस' वाली बात देश पहले सुन चुका था। और फिर अपने इस नये नारे के साथ ही 'पड़ोस के बांग्लादेश की हालत देख लो' जैसा वाक्य जोड़कर उन्होंने और भी स्पष्ट कर दिया था कि वे हिंदुओं को एकजुट होने का आह्वान कर रहे थे। सवाल हिंदुओं के बंटने का ही नहीं था, इस बात का भी था कि वे किस के खिलाफ एकजुट होने की बात कह रहे हैं। संकेत स्पष्ट था। हरियाणा में यह नारा खूब चला था, अब महाराष्ट्र, झारखंड के चुनावों और उत्तर प्रदेश समेत देश के कई राज्यों में होने वाले उपचुनावों में भी चुनावी सभाओं में यह नारा गूंज रहा है। हां, एक बदलाव जरूर आया है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने हिंदुओं के बंटने वाली बात को पिछड़ी जातियों के बंटने से जोड़ दिया है। प्रधानमंत्री का कहना है कि 'वे लोग' यानी कांग्रेसी जातीय जनगणना करा कर पिछड़ी जातियों को बांटने की साजिश रच रहे हैं! चुनाव-प्रसार में एक-दूसरे पर आरोप लगाना कोई नयी बात नहीं है। सब लगाते हैं इस तरह के नारे। कोई आरोप चिपक जाये तो तीर, वरना तुक्का ही सही!

जिस तरह की आरोपबाजी, नारेबाजी चुनावों में होती है, वह हैरान कर देने वाली है। यह बात हमारे भारत तक ही सीमित नहीं है। हाल ही में अमेरिका में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में एक-दूसरे पर जिस तरह के आरोप लगाये गये वह परेशान करने वाली बात होनी चाहिए। अमेरिका तो दुनिया का सबसे बड़ा जनतंत्र होने का दावा करता है। और हमारा भी दावा है कि सबसे पुराना गणतंत्र है हमारा देश। जनतांत्रिक व्यवस्था में हमारा विरोधी प्रतिद्वंद्वी होता है, दुश्मन नहीं। ऐसे में अनर्गल आरोपों वाली राजनीति उन सबके लिए चिंता की बात होनी चाहिए जो अपने आप को जिम्मेदार नागरिक समझते हैं।

आरोप लगाना गलत नहीं है। पर आरोप बेबुनियाद नहीं होने चाहिए। साथ ही मर्यादाओं का ध्यान रखा जाना भी जरूरी है। महाराष्ट्र के एक नेता ने राज्य का सबसे बड़ा नेता माने जाने वाले व्यक्ति के चेहरे को निशाना बनाने की घटिया हरकत की थी। अच्छा लगा यह देखकर कि कुछ नेताओं ने इस घटिया हरकत की आलोचना की और उस व्यक्ति ने अपनी करनी पर खेद व्यक्त किया। लेकिन सवाल उठता है यह नौबत क्यों आये? बशीर बद्र का एक शेर है, 'दुश्मनी जम कर करो, लेकिन यह गुंजाइश रहे/फिर कभी हम दोस्त बन जायें तो शर्मिंदा न हों।' यह बात हमारे राजनेताओं को समझ क्यों नहीं आती? पिछले चुनाव में महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री ने अपने तब के विरोधी पर भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप लगाते हुए भरी सभा में कहा था कि वे उसे जेल भिजवा कर दम लेंगे। उन्होंने यह भी कहा था कि वह राजनेता जेल में 'चक्की पीसिंग, पीसिंग' करता रहेगा। आज वह पूर्व मुख्यमंत्री और उनके 'चक्की पीसिंग' वाले मंत्रीजी मंत्रिमंडल में साथ-साथ बैठते हैं! क्या वे दोनों भूल गये हैं कि उन्होंने एक-दूसरे के बारे में क्या-क्या कहा था? और यह 'सच' महाराष्ट्र के दो नेताओं का ही सच नहीं है — सारे देश में ऐसे अनेक-अनेक उदाहरण बिखरे पड़े हैं। अक्सर सोचता हूं कि ऐसे लोग जब 'फिर से दोस्त' बन जाते हैं तो एक-दूसरे से आंख कैसे मिलाते होंगे? क्या उन्हें सचमुच शर्म नहीं आती?

यह दुर्भाग्य ही की बात है कि आज हमारी राजनीति में इस तरह की शर्म के लिए कोई स्थान बचा नहीं दिख रहा। शर्म तो इस बात पर भी आनी चाहिए कि हमने राजनीति को पूरी तरह अनैतिक बना दिया है। मेरे एक वरिष्ठ पत्रकार मित्र से मैंने एक बार यह जानना चाहा था कि कौन-सा शब्द ठीक है, राजनीतिक या राजनैतिक? मेरे उस मित्र ने तत्काल जवाब दिया था, 'राजनीतिक ही सही हो सकता है- राजनीति में नैतिकता होती ही कहां है?' फिर हम दोनों हंस पड़े थे। पर आज सोच रहा हूं यह बात हंसने की नहीं थी, दुखी होने की थी। पीड़ा होनी चाहिए थी हमें यह सोच कर कि हमारी राजनीति में नैतिकता के लिए कोई स्थान नहीं बचा। सुनने में अच्छा लगता है यह नारा कि 'बटेंगे तो कटेंगे'।

फिट बॉडी के लिए सेवन करें ये आहार

आजकल हर कोई एक फिट और आकर्षक शरीर पाना चाहता है। सुंदर और मजबूत बॉडी सिर्फ आत्मविश्वास को बढ़ाती नहीं है, बल्कि यह स्वस्थ जीवन जीने की भी निशानी होती है। लेकिन यह सिर्फ जिम जाने और वर्कआउट करने से ही नहीं मिलता। एक सही डायट और खानपान की आदतें भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बता दें अच्छी बॉडी बनाने का कोई शॉर्टकट नहीं है। यह एक लंबा और निरंतर प्रयास है। इसके लिए सही खानपान के साथ-साथ मानसिक स्थिति भी महत्वपूर्ण होती है। धैर्य रखें और समर्पण के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ें। प्रोटीन, स्वस्थ फैट्स, जटिल कार्बोहाइड्रेट्स, फाइबर, विटामिन्स और मिनरल्स को अपनी डायट में शामिल करके आप न सिर्फ आकर्षक शरीर बना सकते हैं, बल्कि स्वस्थ भी रह सकते हैं। याद रखें, यह एक लंबा सफर है, लेकिन सही दिशा में किया गया प्रयास हमेशा रंग लाता है। अगर आप भी एक अच्छी और आकर्षक बॉडी पाना चाहते हैं, तो अपनी डायट में कुछ खास चीजें शामिल करें।

प्रोटीन और फैट्स का करें सेवन

प्रोटीन शरीर के निर्माण और मसल्स की वृद्धि के लिए बहुत जरूरी है। यदि आप मसल्स को मजबूत और टोन करना चाहते हैं, तो अपने डायट में प्रोटीन को शामिल करना बेहद जरूरी है। प्रोटीन मसल्स को रिपेयर करता है और उनका विकास करता है। वहीं फैट्स की कमी से शरीर में जरूरी विटामिन्स और मिनरल्स का अवशोषण नहीं हो पाता। लेकिन यह जरूरी है कि आप सिर्फ स्वस्थ फैट्स ही चुनें। स्वस्थ फैट्स आपके हार्मोनल बैलेंस को बनाए रखते हैं और त्वचा को भी हेल्दी बनाते हैं। प्रोटीन और स्वस्थ फैट्स के दाल, एवोकाडो, ओलिव ऑयल, नारियल तेल, मछली (सालमन, ट्यूना), नट्स और सीड्स (अखरोट, चिया सीड्स) मुख्य स्रोत है।

हाइड्रेटेड रहें

अच्छी और आकर्षक बॉडी पाने के लिए सबसे जरूरी चीज है पानी पीना। शरीर को हाइड्रेटेड रखना मसल्स की रिकवरी, डिटॉक्सिफिकेशन और त्वचा के स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। कम से कम 8-10 गिलास पानी रोज पीने की आदत डालें। वहीं कार्बोहाइड्रेट्स शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं, जो खासतौर पर वर्कआउट के दौरान जरूरी होती है। लेकिन इसे संतुलित तरीके से लेना चाहिए। साधारण और रिफाइंड कार्ब्स की बजाय जटिल कार्बोहाइड्रेट्स को चुनें, जो धीरे-धीरे ऊर्जा रिलीज करते हैं और लंबे समय तक पेट भरा रखते हैं। संतुलित कार्बोहाइड्रेट्स ओट्स, ब्राउन राइस, क्विनोआ, शकरकंद, साबुत अनाज मुख्य स्रोत है।

संतुलित आहार

सिर्फ सही खाद्य पदार्थ खाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें सही समय पर और सही मात्रा में लेना भी जरूरी है। खाने का समय और मात्रा इस बात पर निर्भर करता है कि आपकी लाइफस्टाइल कैसी है। एक संतुलित आहार में 3 मुख्य भोजन (नाश्ता, लंच और डिनर) और 2-3 हेल्दी स्नैक्स शामिल करने की कोशिश करें। इसके अलावा, भोजन के बीच में बहुत देर न होने दें, ताकि मेटाबोलिज्म सक्रिय रहे।

जंक फूड से दूरी बनाएं

अगर आप फिट रहना चाहते हैं और आकर्षक बॉडी पाना चाहते हैं, तो आपको अपनी डायट से रिफाइंड चीनी और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों को हटाना होगा। ये खाद्य पदार्थ शरीर में फैट जमा करते हैं और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इसके बजाय, प्राकृतिक मिठास के लिए फल और शहद का इस्तेमाल करें।

फाइबर और विटामिन

फाइबर से भरपूर खाद्य पदार्थ आपके पाचन तंत्र को स्वस्थ रखते हैं और वजन घटाने में मदद करते हैं। फाइबर रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने, पेट की सेहत सुधारने और बॉडी को डिटॉक्स करने में सहायक होता है। फाइबर के हरी पत्तेदार सब्जियां (पालक, मेथी), फल (सेब, बेरीज, संतरा), दालें और बीन्स, ओट्स और होल ग्रेन ब्रेड मुख्य स्रोत हैं। वहीं विटामिन और मिनरल्स शरीर के सही कार्य के लिए आवश्यक होते हैं। इनका सेवन करने से आपकी त्वचा, हड्डियां और मांसपेशियां मजबूत रहती हैं। विटामिन सी से भरपूर खाद्य पदार्थ शरीर में कोलेजन उत्पादन को बढ़ाते हैं, जो त्वचा को लोचदार और सुंदर बनाए रखता है। विटामिन और मिनरल्स के नींबू और संतरे (विटामिन सी), गाजर और शिमला मिर्च, पालक और ब्रोकोली (विटामिन च), बादाम और सूरजमुखी के बीज (विटामिन ई) मुख्य स्रोत है।

-मनीष कुमार मौर्य

हंसना मना है

पापा बेटी से- बेटी पहले तो तुम मुझे पापा कहती थी, लेकिन अब तुम मुझे डैड कहती हो, क्यों? बेटी- ओह डैड, पापा कहने से लिपस्टिक खराब होती है।

संता बार में रो रहा था। बंता- क्यों रो रहे हो? संता- और क्या करूं? जिस लड़की को भुलाना चाहता हूं, उसका नाम ही याद नहीं आता।

पत्नी ने गुस्से में पति से कहा- मैं तंग आ गई हूं रोज की किच-किच से.. मुझे तलाक चाहिये! पति- ये लो चॉकलेट खाओ.. पत्नी (रोमांटिक होते हुए)- मना रहें हो मुझे.. पति- नहीं रे पगली, मां कहती है, अच्छा काम करने से पहले, मीठा खाना चाहिए।

पति बाल कटवाकर घर आया। पति- देखो, मैं तुमसे दस साल छोटा लगता हूं कि नहीं? पत्नी: मुंडन करवा लेते तो लगता जैसे अभी पैदा हुए हो।

पप्पू- पापा बुलेट दिला दो, बाप- पड़ोसन की लड़की को देख बस से जाती है..पप्पू- यही तो देखा नहीं जाता!

एक सरकारी दफ्तर के बोर्ड पार लिखा था, कृपया शोर ना करे। किसी ने उसके नीचे लिख दिया, वरना हम जाग जायेंगे..

कहानी | तीन मछलियां

एक घने जंगल के अंदर बड़ा-सा तालाब था। उस तालाब में बहुत सारी मछलियां रहती थीं, जिनमें से तीन मछलियां एक-दूसरे की पक्की दोस्ती थी। इन तीनों का स्वभाव बिलकुल अलग था। इनमें से दो बहुत समझदार थीं। पहली संकट आने के पहले ही अपना बचाव कर लेती थी। दूसरी संकट आने पर अपनी सुरक्षा कर लेती थी, जबकि तीसरी सब कुछ भाग्य पर छोड़ देती थी। तीसरी मछली कहती कि अगर भाग्य में संकट होगा, तो हम कुछ नहीं कर सकते और भाग्य में नहीं होगा, तो कोई भी हमारा कुछ नहीं कर सकता। एक दिन एक मछुआरे ने देखा कि तालाब मछलियों से भरा पड़ा है। उसने तुरंत अपने बाकी साथियों को इस बारे में बताया। मछुआरे और उसके साथियों ने मछलियों को पकड़ने का फैसला किया, लेकिन मछली ने मछुआरे और उसके साथियों के बीच की बातचीत सुन ली थी। उसने तुरंत तलाब में रहने वाली सभी मछलियों को इकट्ठा किया और सारी बात बता दी। पहली मछली बोली कि हो सकता है कि कल मछुआरे आकर हमें जाल में पकड़ कर ले जाएं। उससे पहले ही हमें यह स्थान छोड़ देना चाहिए। तभी तीसरे नंबर की मछली बोली कि अगर वो कल नहीं आए तो? यह हमारा घर है, हम कैसे इसे छोड़ कर जा सकते हैं। अगर भाग्य में लिखा होगा, तो हम कहीं भी हों मारे जाएंगे और नहीं लिखा होगा, तो हमें कुछ नहीं होगा। कुछ मछलियों ने तीसरे नंबर की मछली की बात मान ली और वहीं रुक गईं। अन्य दो मछलियों ने बाकी मछलियों के साथ तालाब छोड़ दिया। अगले दिन, मछुआरे और उसके साथियों ने अपना जाल डाला। जो मछलियां रह गईं थीं वे सभी पकड़ी गईं। जो मछलियां भाग गईं थीं उन सभी की जान बच गई और जो तालाब में रुक गईं थी वे सभी मछुआरों के द्वारा पकड़ ली गईं। मछुआरे ने उन्हें एक टोकरे में डाल दिया, जहां सभी तड़प तड़प के मर गईं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। किसी व्यक्ति की बातों में न आएं। प्रसन्नता रहेगी।

वृषभ पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। चोट व रोग से कष्ट संभव है। प्रमाद न करें। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है।

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। ऐश्वर्य व आरामदायक साधनों पर व्यय होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाजी से बचें।

कर्क तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें। आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा।

सिंह व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी।

तुला व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। सहकर्मी साथ नहीं देंगे। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। फालतू खर्च होगा।

वृश्चिक घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा।

धनु नौकरी में कार्यभार रहेगा। जोखिम न लें। धन लक्ष्मी की प्राप्ति होगी। आय बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें।

मकर भाग्य अनुकूल है। समय का लाभ लें। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें।

कुम्भ व्यापार लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी।

मीन समय अनुकूल है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी।

कंगुवा ने आते ही मचाया धमाल

सूर्या और शिवा की एपिक एक्शन ड्रामा फिल्म कंगुवा बड़े पर्दे पर आ गई है। इस फिल्म का रिलीज से पहले ही काफी बज बना हुआ था। ऐसे में फिल्म के बड़े पर्दे पर रिलीज होते ही सिनेमाघरों में भी दर्शक उमड़ पड़े हैं। फिल्म को मिल रहे शुरुआती रिस्पॉन्स को देखते हुए लग रहा है कि अब कार्तिक की 'भूल भुलैया 3' और अजय देवगन की 'सिंघम अगेन' का बॉक्स ऑफिस से पैकअप होने वाला है।

दरअसल सोशल मीडिया पर कंगुवा को लेकर लोगों ने अपना रिव्यू शेयर करना शुरू कर दिया है। जिन्हें देखते हुए लग रहा है कि कंगुवा लंबी रेस का घोड़ा साबित होगी और कमाई के सारे रिकॉर्ड ब्रेक कर देगी। कंगुवा का क्रेज फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। ये हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि फिल्म के अर्ली मॉर्निंग शोज हाउसफुल देखे गए। वहीं फिल्म का फर्स्ट डे फर्स्ट शो देखने वालों ने

इसका रिव्यू भी शेयर करना शुरू कर दिया है। ऑडियंस की तरफ से कंगुवा को पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म की स्टार कास्ट की दमदार एक्टिंग से लेकर इसके वीएफएक्स की भी खूब तारीफ हो रही है। एक यूजर ने लिखा

इन सितारों का है अहम रोल

शिवा द्वारा निर्देशित कंगुवा में सूर्या के अलावा बॉबी देओल, दिशा पटानी, योगी बाबू, रेडिन किंग्सले और आरश शाह समेत कई सितारों ने अहम रोल प्ले किया है। वहीं कार्थी भी इस फैंटेसी एक्शन फिल्म का हिस्सा हैं।

बॉलीवुड | मसाला

है, अभी कंगुवा देखी - क्या शानदार राइड है! सीन्स, एक्शन और कहानी कहने का तरीका बिल्कुल टॉप पर है। उस इंटरवल ब्लॉक ने मुझे अपनी सीट के किनारे पर खड़ा कर दिया था! अगर आप एंटरटेनिंग, अच्छी तरह से बनाए गए सिनेमा के फैंस हैं, तो इसे जरूर देखें। टीम को बधाई!

विक्रांत मैसी की 'द साबरमती रिपोर्ट' को सेंसर बोर्ड से मिली हरी झंडी

द साबरमती रिपोर्ट इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। विक्रांत मैसी एक बार फिर धीरज सरना की द साबरमती रिपोर्ट के साथ बड़े पर्दे पर लौट रहे हैं। फिल्म का दर्शकों को भी बेसब्री से इंतजार है। फिल्म का ट्रेलर और इसके नए गाने जारी हो चुके हैं। ऐसे में अब फिल्म के बारे में नई जानकारी सामने आई है। द साबरमती रिपोर्ट ने अपनी सेंसर औपचारिकताएं भी पूरी कर ली हैं।

अभिनेता विक्रांत मैसी ने पुष्टि की है कि उनकी आगामी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट बिना किसी कट या संशोधन के केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) की जांच से गुजर गई है। अभिनेता ने बताया कि फिल्म बिना किसी कट के पास हो गई है। फिल्म को यूए सर्टिफिकेट मिला है। इससे पहले, ऐसी खबरें आई थीं कि सीबीएफसी द्वारा सुझाए

गए कट्स के कारण फिल्म में देरी हुई थी, और टीम को कुछ हिस्सों को फिर से शूट करना पड़ा था।

हालांकि, विक्रांत ने स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा, यह गलत सूचना है। हमने सीन को फिर से शूट किया, क्योंकि फिल्म में देरी हुई। हमें एडिटिंग में बैठने और खुद को बेहतर बनाने का फायदा मिला, इसलिए दो दिन का रीशूट, सेंसर की वजह से नहीं था। उन्होंने आगे कहा, सेंसर की बात करें तो यह हर फिल्म के साथ एक बहुत ही सामान्य प्रक्रिया है। आप फिल्म सबमिट करते हैं, फिर आपको फीडबैक मिलता है और अगर यह एक गंभीर मुद्दा है, तो वे कट्स की सिफारिश करते हैं।

अभिनेता ने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि हमारी फिल्म में कट्स की सिफारिश की गई है। बस यहां-वहां छोटे-छोटे संवाद बदल गए हैं, ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि आज के समय में लेखकों से ज्यादा, हमारे पास एक फिल्म से जुड़े वकील होते हैं। कुछ लोग आपके खिलाफ ही केस दर्ज कर देते हैं। उदाहरण के लिए सेक्टर 36 में हमारे पास 36 मुकदमे हैं, लेकिन यह काम की प्रकृति है, इसलिए आपको बहुत सावधान रहना होगा। सीबीएफसी ने किसी भी कट की सिफारिश नहीं की है, केवल सुझाव दिए गए हैं, जो एक बहुत ही सामान्य प्रक्रिया है।

बॉलीवुड | मन की बात

सुकेश से मिले गिफ्ट के सोर्स के बारे में मुझे पता नहीं था : जैकलीन

हाईकोर्ट में यह दलील दी गई कि वह मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध में शामिल नहीं थीं। अभिनेत्री को इस बात की जानकारी नहीं थी कि उन्हें मिले उपहार कथित अपराध का हिस्सा थे। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अनीश दयाल ने सवाल उठाया, क्या किसी व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह मिले गिफ्ट के सोर्स को जाने। मामले को आगे की बहस के लिए 26 नवंबर को सूचीबद्ध किया गया है। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। अभिनेत्री कथित तौर पर ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले का हिस्सा हैं। सुकेश भी जेल से अभिनेत्री को पत्र लिखकर अपना संदेश भेजता था। अब हाल ही में मनी लॉन्ड्रिंग मामले को लेकर हाई कोर्ट में सुनवाई हुई, जिसमें अभिनेत्री के वकील ने दावा किया कि उन्हें ठग सुकेश चंद्रशेखर से मिले गिफ्ट्स के अवैध सोर्स के बारे में पता नहीं था। हाईकोर्ट में यह दलील दी गई कि वह मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध में शामिल नहीं थीं। अभिनेत्री को इस बात की जानकारी नहीं थी कि उन्हें मिले उपहार कथित अपराध का हिस्सा थे। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अनीश दयाल ने सवाल उठाया, क्या किसी व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह मिले गिफ्ट के सोर्स को जाने। मामले को आगे की बहस के लिए 26 नवंबर को सूचीबद्ध किया गया है। अभिनेत्री के वकील ने कहा, ईडी का यह भी मामला नहीं है कि उन्हें पता था कि उसे मिले उपहार अपराध की आय का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि उनकी ओर से चूक हुई थी, लेकिन यह कोई अवैध चूक नहीं थी। इसलिए कानून में कार्रवाई योग्य नहीं है। बता दें कि ईडी ने आरोप लगाया है कि जैकलीन ने सुकेश के बारे में अखबार में छपे लेख की पुष्टि नहीं की। उन्हें सुकेश से उपहार मिले थे। मालूम हो कि अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज पर भी जबरन वसूली रैकेट की आय का उपयोग करके खरीदे गए उपहारों का उपयोग करने का आरोप लगा है। हालांकि, अभिनेत्री ने घोटाले में किसी भी तरह से खुद के शामिल होने से इनकार किया है।

बेटे को कैद करने के लिए मां ने घर में ही बना डाली जेल, वजह है अजीबो गरीब

मां अपने बच्चों पर जान छिड़कती है। बच्चों पर कोई भी मुसीबत आने पर मां उनके सामने ढाल बनकर खड़ी हो जाती है। मां अपने बच्चों के लिए बड़े से बड़े खतरे से लड़ जाती है। मां बच्चों की खातिर अपनी जान तक दे सकती है। लेकिन इस वक्त थाईलैंड की एक मां सुर्खियों में छाई हुई है। उसने अपने बेटे के साथ कुछ ऐसा किया, जिसके बारे में जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे।

मां के प्यार के किस्से तो आपने बहुत सुने होंगे लेकिन शायद आपने पहले कभी ऐसी मां के बारे में सुना हो, जो अपने ही बेटे को कैद रखती हो। जी हां, थाईलैंड में एक मां ने ऐसे ही किया लेकिन इसके पीछे की वजह जानकर आप उसे गलत भी नहीं कह पाएंगे। ऑडिटी सेंट्रल की रिपोर्ट के मुताबिक थाइलैंड में 64 साल की एक मां अपने ही बेटे को कैद में रखने को मजबूर हो गई। ये घटना थाईलैंड के बरियम प्रोविंस की है। यहां रहने वाली एक 64 साल की महिला ने अपने घर में जेल का सेटअप तैयार कर लिया। इस जेल के अंदर वो अपने 42 साल के बेटे को कैद रखती थी। महिला ने जेल के अंदर की वॉशरूम, बिस्तर और वाईफाई जैसी सुविधाएं दे रखी थीं। जेल में ही उसने एक स्लॉट बना रखा था, जहां से वो उसे खाना दिया करती थी और कभी बाहर नहीं निकालती थी। इतना ही नहीं उसने सीसीटीवी भी जेल में लगा रखी थी, जिससे वो उसे 24 घंटे मॉनिटर किया करती थी। मां अपने बेटे को कैद में रखने को मजबूर हो गई थी क्योंकि उसका बेटा पिछले 20 साल से ड्रग्स का एडिक्ट था। उसने धीरे-धीरे जुआ खेलना भी शुरू कर दिया था। महिला ने अपने बेटे को बहुत समझाया और उसकी गलत आदतों को सुधारने का प्रयास भी किया लेकिन बेटा नहीं सुधरा। उसके पिता की मौत भी इसी डिप्रेशन का शिकार होकर हुई। कई बार बेटा हिंसक हो जाता था। ऐसे में मां ने उससे अपनी जान और पड़ोसियों की जान बचाए रखने के लिए घर में ही जेल बना ली थी। पुलिस को जब इसके बारे में पता चला तो वे महिला के घर पहुंच गए। अब उसे इसे लिए 3-15 साल की जेल हो सकती है क्योंकि उसने गैर कानूनी तरीके से बेटे को बंधक बना रखा था।

अजब-गजब | हिमाचल में स्थित इस मंदिर का है अनोखा रहस्य

यहां जो भी सर्दियों में गया वापस नहीं लौटा

हिमालय पर एक अनोखा देवी मंदिर है। यह मंदिर सर्दियों में बंद कर दिया जाता है, यहां सिर्फ गर्मी में ही दर्शन करने की इजाजत है। सर्दियों में इस मंदिर के बंद होने के पीछे बर्फबारी मूल कारण है, लेकिन एक वजह और भी है, जिसकी वजह से प्रशासन यहां लोगों को जाने नहीं देता। यह वजह एक रहस्य है, जो आज तक अनसुलझी है। कहते हैं, सर्दियों के दौरान कई लोग इस मंदिर में दर्शन करने आए, फिर उनका पता ही नहीं चला।

मंडी जिले की सबसे ऊंची चोटी यानी शिकारी चोटी और शिकारी माता का मंदिर है। सर्दी शुरू होने के बाद यहां कोई इंसान या ट्रैकर नहीं जा सकेगा। सर्दी शुरू होने के बाद इस क्षेत्र में काफी ज्यादा ठंड बढ़ चुकी है और कभी भी बर्फबारी हो सकती है। इसलिए प्रशासन ने यहां लोगों के जाने पर रोक लगा दी है। बता दें कि ये रोक हर बार लगाई जाती है। सर्दी में ठंड बढ़ने, बर्फबारी के अलावा इस मंदिर में जाने पर रोक की एक अन्य वजह भी है।

हर बार सर्दी के ठीक पहले इस मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाते हैं। यहां के पुजारी भी इस सर्दी के समय विपरीत परिस्थितियों के कारण यहां नहीं रहते। वहीं, अब एसडीएम मंडी ने भी आदेश जारी कर दिया कि कोई भी आदमी या ट्रैकर गर्मियों तक शिकारी माता मंदिर में नहीं जाएगा। यह फैसला जनता के हित को देखते हुए हर बार सर्दियों लिया जाता है।

शिकारी माता मंदिर की ऊंची चोटी पर है। स्थानीय लोगों ने बताया, कई लोग प्रशासन के आदेश को नहीं मानते हुए सर्दी में शिकारी देवी मंदिर दर्शन करने पहुंच गए थे। बाद में उनमें से कुछ लोग लापता हो गए। कई लोगों की जान चली गई, जो लापता हुए उनका आजतक पता ही नहीं चला। इसलिए प्रशासन की गाइडलाइन को मानना ही समझदारी है। सर्दी में इस ट्रैक पर जाने का मतलब मौत को दावत देना है। करीब तीन महीने तक यहां कोई नहीं पहुंचता। इसके बाद अप्रैल में पुजारी फिर मंदिर पहुंचते हैं। मंदिर के कपाट खोलकर माता की पूजा करते हैं। यहां ट्रैकिंग भी गर्मियों में ही की जाती है।

बार-बार झूठ फैला रहे अमित शाह: खरगे

» गृहमंत्री के आरोपों पर भड़के कांग्रेस अध्यक्ष

» बोले- 370 की बहाली पर हमने तो कुछ नहीं कहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कांग्रेस ने कभी जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को बहाल करने की बात नहीं की है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उसे दावे के विरोध में यह बात कही है, जिसमें कहा गया था कि कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को फिर से लागू करने का इरादा रखती है। उन्होंने कहा कि इस विवादास्पद प्रावधान को संसद ने निरस्त कर दिया है।

मल्लिकार्जुन खरगे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर समाज में विभाजन पैदा करने के लिए अनुच्छेद 370 के मुद्दे को जीवित रखने का आरोप लगाया। इस दौरान मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कांग्रेस और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी को अपशब्द कहने का आरोप लगाया। खरगे ने कहा, कि अमित शाह अपनी चुनावी रैलियों में कांग्रेस पर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हैं। (लेकिन) वह (खुद) कह रहे हैं कि कांग्रेस (जम्मू-कश्मीर में) अनुच्छेद 370 वापस लाना चाहती है। मुझे बताइए, यह किसने और कब कहा? आप एक मुद्दा उठा रहे हैं। अगर यह (अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का प्रस्ताव) संसद में पहले ही पारित हो चुका है, तो आप फिर से इस मुद्दे को क्यों उठा रहे हैं?। नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ कांग्रेस का गठबंधन है, नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू-कश्मीर में सरकार का नेतृत्व कर रही है। पिछले हफ्ते जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें केंद्र से कहा गया था कि वह पूर्ववर्ती राज्य के विशेष दर्जे की बहाली के लिए निर्वाचित प्रतिनिधियों से बातचीत करे.

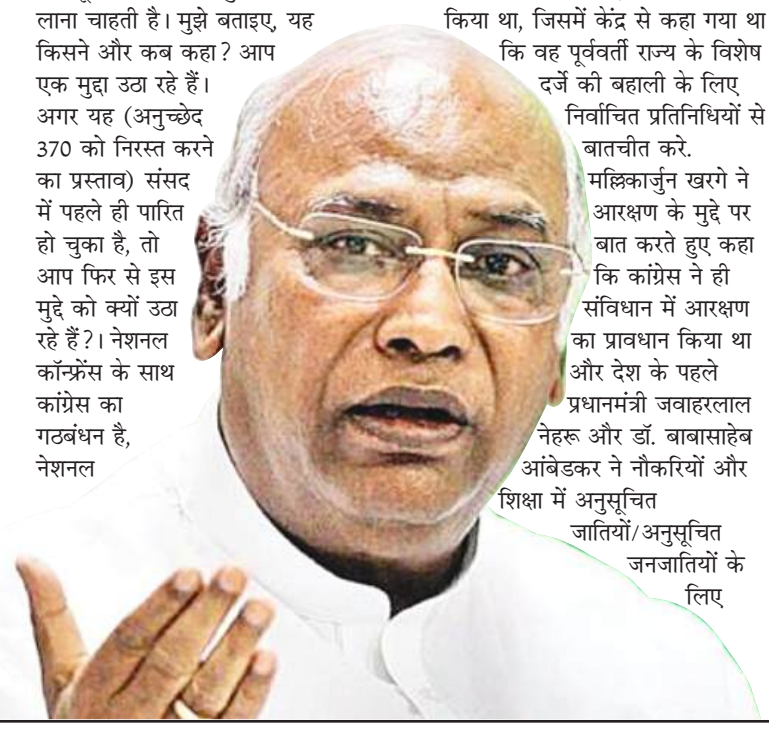

आंबेडकर, पटेल और बोस तक को नहीं छोड़ रही बीजेपी

कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि बीजेपी पंडित नेहरू, आंबेडकर, वल्लभभाई पटेल और सुभाष चंद्र बोस जैसी देश की महान राजनीतिक हस्तियों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा कर रही है। मल्लिकार्जुन खरगे कहा, वे (भाजपा) अब कहते हैं कि बाबा साहब ऐसा करना चाहते थे, लेकिन जवाहरलाल नेहरू ने ऐसा किया। वल्लभभाई पटेल ने ऐसा कहा और बोस ने ऐसा कहा कि जब वे जीवित थे, तब आप संविधान के खिलाफ थे, आपने अपने कार्यालय में भारतीय ध्वज भी नहीं रखा।

मल्लिकार्जुन खरगे ने आरक्षण के मुद्दे पर बात करते हुए कहा कि कांग्रेस ने ही संविधान में आरक्षण का प्रावधान किया था और देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने नौकरियों और शिक्षा में अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण स्वीकृत करने का काम किया था. उन्होंने कहा कि लेकिन बीजेपी अब भी आरक्षण का मुद्दा उठा रही है। उन्होंने जोर देकर कहा, कि आप अशोक चक्र (तिरंगे के मध्य में) को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं थे और आप मनु (मनुस्मृति, एक प्राचीन धार्मिक ग्रंथ) के आधार पर संविधान चाहते थे और अब आपको संविधान याद आ रहा है, कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस देश को एकजुट रखना चाहती है और इसके लिए कोई भी बलिदान देने को तैयार है।

बीजेपी बांटने के लिए मुद्दे को जिंदा रखना चाहती है

खरगे कहा, इसका मतलब है कि आप इस मुद्दे को जिंदा रखना चाहते हैं ताकि लोग बंट जाएं। अगर आप यह कहना चाहते हैं तो कश्मीर जाकर कहिए। कश्मीर में चुनाव खत्म हो चुके हैं। जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान करने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने अगस्त 2019 में रद्द कर दिया था।

सोरेन सरकार को झारखंड हाइकोर्ट से राहत

» मैय्या सम्मान योजना के खिलाफ चुनौती को किया खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई मैय्या सम्मान योजना को चुनौती देने वाली जनहित याचिका (पीआईएल) खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश एमएस रामचंद्र राव और न्यायमूर्ति दीपक रौशन की बेंच ने विष्णु साहू द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई की। जहां साहू ने यह आरोप लगाया था कि 21 से 50 वर्ष की आयु की महिलाओं को 12,000 रुपये सालाना देने वाली यह योजना चुनावी फायदे के लिए शुरू की गई है।बता दें कि झारखंड में 81 विधानसभा सीटों पर हो रहे चुनाव का पहला चरण बुधवार को खत्म हुआ।

दूसरे चरण का मतदान 20 नवंबर को होना है वहीं 23 नवंबर को सभी सीटों की मतगणना होनी है। विष्णु साहू द्वारा दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति राव ने याचिका खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति राव ने याचिका खारिज करते हुए तर्क दिया कि अदालत राज्य सरकार के नीतिगत फैसलों में हस्तक्षेप नहीं करेगी, क्योंकि इस योजना का उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद महिलाओं को वित्तीय मदद देना है। वहीं इस मामले में साहू ने अपनी याचिका को विस्तार में देखें तो उन्होंने आरोप लगाया था कि यह योजना चुनाव से पहले वोटरों को आकर्षित करने के लिए एक राजनीतिक हथकंडा है। उन्होंने कहा कि यह योजना सत्तारूढ़ दल को चुनावी फायदे दिलाने के लिए बनाई गई है।

महिलाओं की बड़ी जीत: हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अदालत के फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कानूनी प्रक्रिया पर भरोसा जताया। इसके साथ ही झामुमो नेता कल्पना सोरेन ने इस फैसले की सराहना करते हुए कहा कि यह झारखंड की महिलाओं की बड़ी जीत है और योजना के खिलाफ दायर याचिका को खारिज करना एक जोरदार जवाब है। उन्होंने कहा दिसंबर से महिलाओं के खातों में 2,500 रुपये ट्रांसफर किए जाएंगे।

विस चुनाव महाराष्ट्र प्रेमियों और महाराष्ट्र के लुटेरों के बीच : उद्धव

» बोले- विधानसभा चुनाव तय करेगा कि राज्य फुले, आंबेडकर व शाहू का है या मोदी-शाह का

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में चुनावी प्रचार में तीखे प्रहार जारी है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से तय होगा कि यह राज्य महात्मा फुले, बाबासाहेब आंबेडकर और छत्रपति शाहू जैसे पूजनीय लोगों का है या मोदी-शाह-अडानी की तिकड़ी का है।

उन्होंने केंद्रीय मंत्री अमित शाह की भी आलोचना की। उद्धव ने कहा कि यह चुनाव महाराष्ट्र प्रेमियों और महाराष्ट्र के लुटेरों के बीच है। ठाकरे ने दावा किया कि प्रधानमंत्री ने खोखले वादे किए हैं। छत्रपति संभाजीनगर के प्रति भाजपा का प्रेम भी झूठा है। शाह ने हाल ही में एक रैली में दावा किया था कि शिवसेना (उबाठा) उन लोगों के साथ मिली हुई है जो अनुच्छेद 370 को खत्म करने का विरोध कर रहे थे। ठाकरे ने कहा, गृह मंत्री कहते हैं कि हम उन लोगों के साथ खड़े हैं जिन्होंने अनुच्छेद 370 को खत्म करने का विरोध किया था।

नव ज्योति सेवा संस्थान ने गरीब बच्चों के साथ मनाया बाल दिवस

» वंचित बच्चों को कराई चिड़ियाघर की सैर

» बाल दिवस के महत्व के बारे में दी गई जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बाल दिवस के अवसर पर नव ज्योति सेवा संस्थान द्वारा गरीब, वंचित बच्चों के लिए चिड़ियाघर की एक विशेष सैर का आयोजन किया गया। इनमें से कई बच्चे पहली बार चिड़ियाघर देखने का मौका पा रहे थे। बच्चों ने चिड़ियाघर में विभिन्न जानवरों के बारे में जानकारी हासिल की और इस अनुभव से बहुत खुश हुए।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों को बाल दिवस का महत्व भी बताया गया, जिससे उन्हें इस दिन की विशेषता और बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूकता प्राप्त हुई। कार्यक्रम में पत्रकार नीलू वैश्य का सहयोग रहा, जबकि उपाध्यक्ष पूजा अवस्थी और स्वयंसेवक शालिनी पाल ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नव ज्योति सेवा संस्थान के अध्यक्ष अमन कटियार ने टीम के समर्पण और मेहनत की सराहना की और बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने के प्रयासों की तारीफ की। नव ज्योति सेवा संस्थान का यह बाल दिवस कार्यक्रम बच्चों को नई और ज्ञानवर्धक अनुभव देने की संस्था की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शमी ने ढाया मप्र पर कहर, बंगाल ने दिखाया दम

रणजी ट्रॉफी : 19 ओवर में 54 रन देकर 4 विकेट झटके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। टीम इंडिया के अनुभवी गेंदबाज मोहम्मद शमी ने रणजी ट्रॉफी मुकाबले में बंगाल के लिए चार विकेट चटकाए। इंदौर के होल्कर स्टेडियम में चल रहे रणजी ट्रॉफी 2024-25 एलीट ग्रुप सी मैच में शमी ने मध्य प्रदेश की बल्लेबाजी इकाई की कमर तोड़कर रख दी। उन्होंने 19 ओवर में 54 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए। शमी की शानदार गेदंबाजी के बदौलत 1 विकेट के नुकसान पर 106 रन बनाने वाली मध्य प्रदेश की टीम ने 61 रन पर 9 विकेट गंवाए।

गेंद के साथ शमी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत बंगाल ने मेजबानी टीम को 59 ओवर में 167 रन पर आउट करने और 61 रनों की बड़ी बढ़त हासिल कर ली। शमी ने पहले दिन के खेल के तीसरे सत्र में बंगाल के लिए 10 ओवर फेंके, लेकिन विकेट लेने में नाकाम रहे। हालांकि, गुरुवार को उनका प्रदर्शन कुछ अलग ही रहा। उन्होंने अपनी टीम को मैच में शानदार वापसी करने में मदद की। शमी ने दूसरे दिन सबसे पहले मध्य प्रदेश के कप्तान शुभम शर्मा को आउट किया। फिर ऑलराउंडर सारांश जैन को आउट किया। इसके बाद उन्होंने कुमार कार्तिकेय और कुलवंत खेजरोलिया को पवेलियन भेजा।

अंडर-19 एशिया कप में भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे मोहम्मद अमान

मोहम्मद अम्मान की अगुवाई में भारतीय अंडर-19 टीम का ऐलान हो गया है। 30 नवंबर से 8 दिसंबर 2024 तक यूएई में होने वाले एसीसी पुरुष 19 एशिया कप में भारत की कप्तानी करेंगे। भारत की 15 सदस्यीय टीम में 13 साल के वैभव सूर्यवंशी को भी चुना गया है। बिहार के रहने वाले वैभव सूर्यवंशी ने सितंबर 2024 में अंडर-19 टीम के लिए रेड बॉल फॉर्मेट में अपने पदार्पण मैच में 58 गेंद में शतक जड़क सबको प्रभावित किया था। वैभव ने तब अंडर-19 टेस्ट में किसी भारतीय द्वारा सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया था। वैभव ने 30 सितंबर 2024 को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के खिलाफ ये उपलब्धि हासिल की थी।

अभ्यर्थी अब भी डटे, आंदोलन 5वें दिन भी जारी

» बोले परीक्षार्थी- आरओ व एआरओ मामले में सरकार छात्रों को बरगला रही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। यूपीपीएससी द्वारा पीसीएस की परीक्षा पहले जैसे ही करवाने के फैसले आरओ व एआरओं परीक्षा टालने को लेकर छात्र अब भी आंदोलन से पीछे हटने को तैयार नहीं है। प्रयागराज समेत यूपी के कई राज्यों में छात्रों का प्रदर्शन पांचवें दिन भी जारी रहा। उधर छात्रों का कहना है कि आरओ-एआरओ परीक्षा के लिए उच्च स्तरीय कमेटी गठित करने का आश्वासन देकर आयोग प्रतियोगी छात्रों को बरगला नहीं सकता है।

दोनों परीक्षाओं को एक दिन एक शिफ्ट में कराने की मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया गया था। आयोग ने एक ही परीक्षा की मांग मानी है, जबकि आरओ एआरओ परीक्षा को एक दिन में कराने के लिए कोई फैसला नहीं किया है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के झुकने के बाद भी प्रतियोगी छात्रों का धरना प्रदर्शन और आंदोलन जारी है। छात्र आयोग के दो नंबर गेट के सामने डंटे हुए हैं और हटने के लिए तैयार नहीं हैं। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि आरओ-एआरओ प्रारंभिक परीक्षा भी एक दिन में कराने की घोषणा की जाए, तभी उनका आंदोलन पूरी तरह से खत्म होगा। छात्रों की मांग यह है कि जिस तरह से पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा को एक शिफ्ट में कराने की घोषणा की गई है, उसी तरह आरओ-एआरओ परीक्षा भी वन डे वन शिफ्ट में कराने का लिखित आश्वासन दिया जाए, तभी वह धरना खत्म करेंगे।

संघ ने छात्र आंदोलन पर जताई चिंता

विधानसभा उप चुनाव के बाद आम चुनाव 2027 के दृष्टि से भी नये सिरे से बने कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे. संघ ने इस दौरान प्रयागराज में चल रहे छात्र आंदोलन पर भी चिंता जताई और बैठक में प्रतियोगी छात्रों के साथ समन्वय पर जोर दिया और लोकतांत्रिक तरीके से उनकी बातों पर विचार करने की सलाह दी।

आरओ-एआरओ परीक्षा में पंजीकृत हैं 10 लाख से अधिक अभ्यर्थी

आरओ/एआरओ परीक्षा में तो 1076004 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं, जिनकी संख्या पीसीएस परीक्षा के मुकाबले कहीं अधिक है। शासनादेश के अनुसार ऐसे परीक्षा केंद्र न बनाएं जाएं जो प्राइवेट या अधोमानक हों। शासनादेश के अनुसार कलेक्ट्रेट/कोषागार से 20 किमी की परिधि तक परीक्षा केंद्रों के विस्तार की कोशिश की गई है। विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों मेडिकल कॉलेजों, इंजीनियरिंग कॉलेजों को भी शामिल करने की कोशिश की गई, लेकिन पर्याप्त संख्या में केंद्र नहीं मिल सके।

याचना नहीं अब रण होगा, युद्ध और भीषण होगा

पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा एक दिन में कराने के लिए राजी होने और आरओ-एआरओ की परीक्षा में समिति का पेच फंसाने पर आयोग प्रतियोगी छात्रों के निशाने पर रहा। बोले- क्या सोचा था बटेंगे, नहीं अब यहीं डटेंगे। आयोग के इस निर्णय के बाद प्रतियोगी छात्रों ने याचना नहीं अब रण होगा, युद्ध और भीषण होगा। जैसे पोस्टर लहराते हुए आंदोलन तेज करने का ऐलान कर दिया। प्रतियोगी छात्र फिरोज सिद्दीकी ने कहा कि जो छात्र आरओ-एआरओ की परीक्षा देता है वह पीसीएस भी देता है। ऐसे में यदि एक परीक्षा को एक दिवसीय किया गया तो दूसरी परीक्षा दो दिवसीय होने से उनको नार्मलाइजेशन के कारण असमान मूल्यांकन झेलना होगा। ऐसे में दोनों परीक्षाओं में वन डे-वन शिफ्ट लागू होना चाहिए। प्रतियोगी सुमित वर्मा ने कहा कि आयोग ने छात्रों को बांटने के लिए दोहरा निर्णय लिया, पर वह बंटने नहीं डटने आए हैं।

फोटो :4 पीएम

शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'कृषि भारत 2024' मेले का फीता काटकर उद्घाटन किया। उनके साथ कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही, मंत्री संजय निषाद, दिनेश प्रताप सिंह व मुख्यसचिव मनोज सिंह मौजूद रहे। इस चार दिवसीय मेले का आयोजन वृंदावन योजना मैदान में आयोजित हो रहा है। मेले में कृषि उद्योग से जुड़े देश और दुनिया के 200 एग्जीबिटर्स अपने उत्पादों और तकनीक की प्रदर्शनी लगाए हैं।

कार और टैंपो में भिड़ंत, तीन की मौत,15 घायल

अयोध्या-लखनऊ मार्ग पर ट्रेलर मोड़ने के दौरान हुआ हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। अयोध्या जिले की रुदौली कोतवाली के भेलसर पुलिस चौकी के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम कुड़ासादात कट से ट्रेला मोड़ने के दौरान तीन वाहनों की भीषण टक्कर हो गई। इसमें दो महिलाओं सहित तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 15 लोग घायल हो गए।

शुक्रवार की सुबह लगभग 5.30 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम कुड़ासादात के पास बने कट से ट्रेल अयोध्या की ओर मोड़ने के दौरान लखनऊ से अयोध्या की ओर जा रही कार चालक ने कार को रोकने का प्रयास किया। उसी के पीछे टेंपो ट्रैवलर ने जोरदार टक्कर मार दी। कार, ट्रेलर में जा घुसी। तीनों वाहन आपस में टकरा गए।

ग्रामीणों ने भीषण सड़क हादसे की जानकारी रुदौली पुलिस को दी। मौके पर रुदौली कोतवाली प्रभारी संजय मौर्य व भेलसर चौकी प्रभारी मनीष चतुर्वेदी पहुंच गए। तब तक कार चला रहे हुसैन (30) पुत्र अलीरजा निवासी ग्राम सेमरी थाना रामपुर कारखाना, जनपद देवरिया, कार में सवार रचना (25) पुत्री धर्मवीर निवासी मरुआ मड़हा, उमर्दा, जनपद कन्नौज, उपासना (24) पुत्री राकेश सिंह निवासी भदुरिया लोहागढ़, जनपद कन्नौज की मौके पर मौत हो गई। कार में सवार गंभीर रूप से घायल स्नेहा व नीतू सहित टेंपो ट्रैवलर में सवार डे? दर्जन घायलों को एम्बुलेंस से सीएचसी रूदौली में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने कार सवार स्नेहा व नीतू की हालत चिंताजनक देख ट्रामा सेंटर, अयोध्या रेफर कर दिया। तीनों शवों को कब्जे में लेकर पुलिस ने कार्रवाई की है।

दिल्ली के सराय काले खां चौक का नाम बदला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के सराय काले खां चौक का नाम अब बिरसा मुंडा चौक होगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर दिल्ली में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर भी मौजूद रहे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मौके पर कहा कि भगवान बिरसा मुंडा एक छोटे से गांव में पैदा हुए थे। आज उनकी 150वीं जयंती है। इस वर्ष को आदिवासी गौरव दिवस के रूप में मनाया जाएगा। आगे कहा कि भगवान बिरसा मुंडा निश्चित रूप से आजादी के महानायकों में से एक थे। 1875 में माध्यमिक शिक्षा प्राप्त करते समय उन्होंने धर्मांतरण के खिलाफ आवाज उठाई थी। जब पूरे देश और दुनिया के 2/3 हिस्से पर अंग्रेजों का शासन था। उस समय उन्होंने धर्मांतरण के खिलाफ खड़े होने का साहस दिखाया था।

यूपी विधानसभा में बड़ा घोटाला!

» हाई कोर्ट ने याचिका की सुनवाई पर की सख्त टिप्पणी

» अदालत ने कहा- माननीय के रिश्तेदारों की हुई भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में भर्ती घोटाला सामने आया है। भर्ती प्रक्रिया को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट में दायर याचिका की सुनवाई के क्रम में कई बड़े पहलू सामने आये। भर्ती प्रक्रिया में जिस प्रकार का खेल किया गया, उसे देखकर हाई कोर्ट ने भी इसे घोटाला करार दिया है।

भर्ती घोटाले की जांच सीबीआई से कराने की अनुशंसा की गई है। यूपी विधानसभा में हुए भर्ती के खेल का एक-एक पहलू सामने आया है। यह हैरान करने वाला है।

186 पदों पर वैकेंसी, 2.5 लाख ने किया था आवेदन

यूपी विधानसभा में 186 पदों पर वैकेंसी निकाली गई थी। इसके लिए 2.5 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। विधानसभा में हुई नियुक्ति मामले में सामने आया है कि 38 पदों पर वीवीआईपी के रिश्तेदारों की भर्ती हुई। नियुक्ति प्रक्रिया के लिए जिस फर्म को हायर किया गया, वह दो कमरों में चलती पाई गई।

हर पांचवां अभ्यर्थी वीवीआईपी का रिश्तेदार निकला

यूपी विधानसभा भर्ती प्रक्रिया को लेकर जिस प्रकार का खुलासा सामने आया है, उसने हर किसी को हैरान किया है। इस भर्ती प्रक्रिया में नौकरी पाने वाला हर पांचवां अभ्यर्थी वीवीआईपी का रिश्तेदार निकला है। प्रमुख सचिव, मुख्य सचिव से लेकर मंत्री तक के रिश्तेदारों को नौकरी दी गई। मंत्री महेंद्र सिंह के भतीजे को यूपी विधानसभा में नियुक्ति मिली। प्रमुख सचिव जय प्रकाश सिंह के बेटा और बेटी भी इसका लाभ पाने वालों में रहे हैं। वहीं, प्रमुख सचिव प्रदीप दुबे के भाई के दो बेटों, प्रमुख सचिव राजेश सिंह के बेटे, डिप्टी लोकायुक्त दिनेश सिंह के बेटे को भी जॉब मिली। यही नहीं, पूर्व सीएम अखिलेश यादव के करीबी नीटू यादव के भतीजे को भी नौकरी मिली है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।